खबरों में रहे स्टॉक

ल्यूपिन
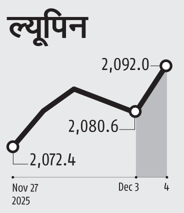

अमेरिका में बायोसिमिलर आर्मलुपेग के लिए वैलोरम के साथ खास लाइसेंसिंग करार
₹ 2,080.6 पिछला बंद भाव
₹ 2,092.0 आज का बंद भाव
0.5 % ▲

हेक्सावेयर टेक्नॉलजीज
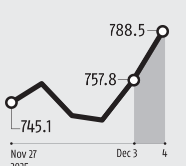

काहिरा में नए डिलिवरी केंद्र के साथ अपनी वैश्विक मौजूदगी का किया विस्तार
₹ 757.8 पिछला बंद भाव
₹ 788.5 आज का बंद भाव
4.0 % ▲

जाइडस लाइफसाइंसेज
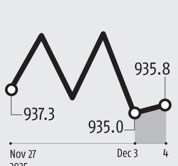

जेरोड में मौजूद इंजेक्शन इकाई के लिए ईआईआर हासिल किया
₹ 935.0 पिछला बंद भाव
₹ 935.8 आज का बंद भाव
0.1 % ▲

स्पाइस लाउंज फूड वर्क्स
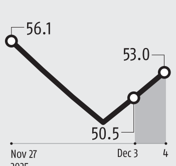

वैश्विक क्यूएसआर ब्रांड विंग जोन के लिए खास मास्टर फ्रैंचाइज अधिकार मिला
₹ 50.5 पिछला बंद भाव
₹ 53.0 आज का बंद भाव
5.0 % ▲

जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज
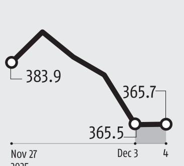

निदेशक मंडल ने रिवपे टेक्नॉलजी के अधिग्रहण के लिए दी मंजूरी
₹ 365.5 पिछला बंद भाव
₹ 365.7 आज का बंद भाव
0.1 % ▲

संक्षेप में

आईटीसी होटल्स में हिस्सा बेचेगी बीएटी

ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको पीएलसी (बीएटी) ने गुरुवार को कहा कि वह आईटीसी होटल्स में 7 से 15.3 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में बताया कि बीएटी ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां, टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड, माइडलटन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड और रोथमैन्स इंटरनैशनल एंटरप्राइजेज लिमिटेड, आईटीसी होटल्स लिमिटेड में जारी साधारण शेयर पूंजी का 7 से 15.3 फीसदी हिस्सा ब्लॉक ट्रेड के जरिये निवेशकों को बेचने की योजना बना रही है। रिपोर्टों के अनुसार, बीएटी 7 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकती है। रिपोर्टों सौदे की कीमत 205.65 रुपये प्रति शेयर और ब्लॉक साइज 2,998 करोड़ रुपये है। गुरुवार को बंबई एक्सचेंज में आईटीसी होटल्स का शेयर 207.75 रुपये पर बंद हुआ। *बीएस*

सिक्का ग्रुप का बिरला एस्टेट्स संग गठजोड़

रियल एस्टेट कंपनी सिक्का ग्रुप ने ग्रेटर नोएडा में समूह आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए गुरुवार को बिरला एस्टेट्स के साथ भागीदारी की घोषणा की। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा कि यह परियोजना सिक्का समूह के स्वामित्व वाले पांच एकड़ के भूखंड पर विकसित की जाएगी। कंपनी यह परियोजना बिरला एस्टेट्स के साथ मिलकर विकसित करेगी। परियोजना में आदित्य बिड़ला समूह की रियल एस्टेट इकाई बिरला एस्टेट्स लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। *भाषा*

भारत में जीसीसी स्थापित करने की तैयारी में यूएस बैनकॉर्प

अभीक दास
बेंगलूरु, 4 दिसंबर

आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां - टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), विप्रो, कॉग्निजेंट और एएनएसआर - यूएस बैनकॉर्प से ऑर्डर के लिए प्रमुख बोलीदाताओं के रूप में उभरी हैं, जो भारत में दो वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इस घटनाक्रम से वाकिफ सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

अमेरिका का पांचवां सबसे बड़ा बैंक अपने प्रौद्योगिकी कार्यों का खासा बड़ा हिस्सा आंतरिक स्तर पर संपन्न करने की योजना बना रहा है तथा हैदराबाद और चेन्नई में केंद्रों के निर्माण के लिए भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है। जहां हैदराबाद में अपने स्वामित्व वाला केंद्र होने की संभावना है, वहीं चेन्नई कार्यालय का परिचालन निर्माण, परिचालन और स्थानांतरण (बीओटी) के आधार पर किया जाएगा। यूएस बैनकॉर्प देश में आधार बनाने के लिए अपने बड़े प्रतिस्पर्धियों के साथ जुड़ रहा है, जहां दुनिया की कुछ सबसे बड़ी वित्तीय सेवा कंपनियों के प्रौद्योगिकी केंद्र हैं।

यूएस बैनकॉर्प अगले 5 वर्षों के दौरान अपने प्रौद्योगिकी कार्यों के प्रबंधन के लिए भारत में 3,000 से 5,000 लोगों को नियुक्त करने की योजना बना रहा है

सूत्र ने कहा कि यूएस बैनकॉर्प अगले पांच वर्षों में अपने प्रौद्योगिकी कार्यों का प्रबंधन करने के लिए भारत में 3,000 से 5,000 लोगों को नियुक्त करने की योजना बना रहा है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 25 करोड़ डॉलर आंका गया है। बैंक ने बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा किए गए टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। टीसीएस, विप्रो, कॉग्निजेंट और एएनएसआर को भेजे गए ईमेल का खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं मिला।

कोई समयसीमा निर्धारित नहीं है और इस अनुबंध को आकार लेने में अब भी छह से आठ महीने का सयम लग सकता है, क्योंकि बैंक व्यापक आर्थिक हालात संबंधी मुश्किलों और टैरिफ के प्रभाव से जूझ रहे हैं। हालांकि अमेरिका के अधिकांश बड़े बैंकों की उपस्थिति बेंगलूरु और हैदराबाद में है, लेकिन यूएस बैनकॉर्प भारत के भीड़भाड़ वाले जीसीसी पारिस्थितिकी तंत्र में अपेक्षाकृत देर से प्रवेश करने वाला है। इससे पहले खबरें आई थीं कि साल 2019 में बीबीऐंडटी और सनट्रस्ट के विलय से बनी ट्रूइस्ट फाइनैंशियल कॉर्प भी हैदराबाद में प्रौद्योगिकी केंद्र खोलने पर विचार कर रही है। अमेरिका के जिन कुछ बड़े बैंकों के पहले से ही भारत में प्रौद्योगिकी केंद्र हैं, उनमें जेपी मॉर्गन, गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली, सिटी, नॉर्दर्न ट्रस्ट और स्टेट स्ट्रीट शामिल हैं, जबकि यूरोपीय बैंकों में डॉयचे बैंक और सोसाइटे जेनरल हैं। वे कुछ प्रमुख नाम जिन्होंने क्षमता केंद्र स्थापित किए हैं या स्थापित करने की संभावना है, उनमें अमेरिका के फर्स्ट सिटिजंस बैंक, पीएनसी फाइनैंशियल और फिफ्थ थर्ड बैंक, फ्रांस के नाटाक्सिस, क्रेडिट एग्रीकोल और सैंटैंडर, इटली का यूनिक्रिडिट और ब्रिटेन के रेवॉल्यूट और मोनजू शामिल हैं।

बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई क्षेत्र के जीसीसी) राजस्व, परिचालन और कर्मचारियों की संख्या के लिहाज से भारत में सबसे बड़े हैं। परामर्श कंपनी विजमैटिक और ईवाई के अध्ययन में पिछले साल पाया गया था कि इस श्रेणी का राजस्व साल 2020 के 13.4 अरब डॉलर की तुलना में बढ़कर साल 2023 में लगभग 21 अरब डॉलर हो गया और साल 2024 में लगभग 25 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया था। इस क्षेत्र में लगभग 5.4 लाख लोग कार्यरत हैं।

देश में 1 अरब डॉलर लगाएगी कोहेसिटी

अभीक दास
बेंगलूरु, 4 दिसंबर

डेटा सुरक्षा सॉफ्टवेयर कंपनी कोहेसिटी अगले पांच वर्षों में भारत में अपने इंजीनियरिंग प्रभागों का विस्तार करने और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 1 अरब डॉलर का निवेश करेगी। कंपनी के मुख्य कार्य अधिकारी ने जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि कोहेसिटी में एनवीडिया और जापान की सॉफ्ट बैंक ने निवेश किया है।

कंपनी का आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) वाला सॉफ्टवेयर कंपनियों को साइबर सुरक्षा खतरों से अपने डेटा की सुरक्षा और प्रबंधन में मदद करता है। एआई के दौर में साइबर सुरक्षा से जुड़े हमले तेजी से बढ़े हैं।

कंपनी के मुख्य कार्य अधिकारी संजय पूनेन ने कहा, हम यहां प्रतिभाशाली टीमों के विस्तार में और भी अधिक निवेश कर रहे हैं। वे डेटा सुरक्षा के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं और हमारे ग्राहकों को अत्याधुनिक एआई-संचालित सुरक्षा और लचीली क्षमता बनाने के लिए सशक्त बना रहे हैं।'

वीएमवेयर के मुख्य परिचालन अधिकारी रह चुके पूनेन ने कहा कि पिछले साल वेरिटास के डेटा सुरक्षा कारोबार के अधिग्रहण के बाद देश में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या तीन गुना बढ़कर लगभग 2,200 हो गई। पहले कंपनी में 700 कर्मचारी थी और इसने पुणे में मौजूदा केंद्र के अलावा बेंगलूरु में अपना नया केंद्र भी शुरू किया है।

सेल्सफोर्स और डेल्टा एयरलाइंस जैसे ग्राहकों वाली कंपनी कोहेसिटी के भारत में कुछ शीर्ष बैंकों, दूरसंचार कंपनियों और इन्फोसिस जैसे आईटी सेवा प्रदाता भी हैं। राजस्व योगदान के मामले में भारत इसके लिए शीर्ष दस देशों में शामिल है, जिसमें अमेरिका का योगदान 50 फीसदी से अधिक है।

पूनेन ने कहा, 'निवेश के साथ, हम शायद अगले कुछ वर्षों में भारत को राजस्व योगदान के मामले में शीर्ष पांच में देखेंगे।' भारतीय केंद्रों का मुख्य ध्यान सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और समर्थन पर होगा। भारत कंपनी के उत्पाद विकास, ग्राहक जुड़ाव और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का प्राथमिक चालक नहीं है। यह इंजीनियरिंग, उत्पाद, डिजाइन, संचालन और ग्राहक-सामना करने वाली भूमिकाओं में तेजी से विस्तार कर रहा है और इंजीनियरिंग स्नातकों की नियुक्ति पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हाइपरवॉल्ट के लिए दिग्गजों के साथ बात कर रही टीसीएस

बीएस संवाददाता
मुंबई, 4 दिसंबर

भारत की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अपने नए डेटा सेंटर कारोबार हाइपरवॉल्ट के तहत एंटरप्राइज समाधानों के सह-विकास के लिए वैश्विक एआई और क्लाउड कंपनियों माइक्रोसॉफ्ट, एमेजॉन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), गूगल और एनवीडिया के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने ओपन एआई के साथ शुरुआती चरण की बातचीत भी शुरू कर दी है ताकि उसे हाइपरवॉल्ट के लिए एक

माइक्रोसॉफ्ट, एमेजॉन वेब सर्विसेज, एनवीडिया और गूगल संग हो रही चर्चा

प्रमुख ग्राहक के तौर पर शामिल किया जा सके। इसके अलावा, एंटरप्राइज ग्राहकों के लिए संयुक्त रूप से एजेंटिक एआई समाधान तैयार किए जा सकें। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, 'टीसीएस के इन कंपनियों के साथ पहले से ही संबंध हैं और अब वे उस परिवेश को अपने डेटा सेंटर व्यवसाय में लाना चाहती है।' टीसीएस अब माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के साथ करार करने के करीब है। कंपनी एनवीडिया के साथ भी बातचीत कर रही है। सूत्र ने कहा, 'इन सभी को टीसीएस की हाइपरवॉल्ट की बाजार में जाने की रणनीति का हिस्सा बनाने का विचार है। एनवीडिया के साथ सौदा ओपनएआई के साथ किए गए सौदे जैसा ही होगा।' उम्मीद है कि इन साझेदारियों और सौदों के एक तिमाही के भीतर पूरा हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस साल फरवरी में बिज़नेस स्टैंडर्ड को सूत्रों ने पुष्टि की थी कि ओपन एआई ने देश में अपने एआई उपकरणों के व्यापक उपयोग के मामलों और उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या का समर्थन करने के लिए भारत में डेटा सेंटर संचालन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है।

परिचालन सामान्य करने में जुटी इंडिगो

परिचालन संकट से गुजर रही इंडिगो के मुख्य कार्य अधिकारी पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कहा कि विमानन कंपनी का तात्कालिक लक्ष्य परिचालन को सामान्य करना एवं सेवाओं का समय पर संचालन करना है लेकिन यह कोई आसान लक्ष्य नहीं है। एल्बर्स ने कर्मचारियों को दिए संदेश में स्वीकार किया कि एयरलाइन ग्राहकों को हवाई यात्रा का अच्छा अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर खरी नहीं उतर सकी।

इस बीच विमानन कंपनी ने डीजीसीए को सूचित किया है कि वह व्यवधानों को दूर करने के लिए 8 दिसंबर से उड़ानों का संचालन कम करेगी तथा उड़ान संचालन में स्थिरता लाने के प्रयासों के तहत अगले दो-तीन दिन तक उड़ानों का रद्द होना जारी रहेगा।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले तीन दिनों से परिचालन संबंधी गंभीर व्यवधानों से जूझ रही है। गुरुवार को उसने 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं जबकि कई उड़ानें विलंबित रहीं।

इस पृष्ठभूमि में जारी अपने संदेश में एल्बर्स ने कहा कि पिछले कुछ दिन इंडिगो के कई ग्राहकों और सहकर्मियों के लिए मुश्किल भरे रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'हम प्रतिदिन करीब 3,80,000 ग्राहकों को सेवाएं देते हैं और चाहते हैं कि उनमें से प्रत्येक को अच्छा अनुभव मिले। हम पिछले कुछ दिनों में अपने वादे पर खरे नहीं उतर पाए और इसके लिए हमने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है।' इंडिगो के मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि छोटी-मोटी प्रौद्योगिकी गड़बड़ियां, समय-सारिणी में बदलाव, प्रतिकूल मौसम की स्थिति, विमानन परिवेश में बढ़ती भीड़ तथा हाल ही में जारी एफडीटीएल मानदंडों के कार्यान्वयन सहित कई परिचालन चुनौतियों ने परिचालन पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। विमानन कंपनी प्रतिदिन करीब 2,300 उड़ानें संचालित करती है और समय पर सेवाएं देने के लिए चर्चित है। लेकिन 3 दिसंबर को इसकी उड़ानों का समय पर संचालन घटकर सिर्फ 19.7 प्रतिशत रह गया। *भाषा*

मणिपाल हेल्थ एंटर. लाएगी 1 अरब डॉलर का आईपीओ!

सोहिनी दास
मुंबई, 4 दिसंबर

भारत का सबसे बड़ा अस्पताल नेटवर्क ऑपरेटर मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज अगले साल की शुरुआत में 1 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रहा है। इसका मूल्यांकन 12 से 15 अरब डॉलर के बीच होगा। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह जानकारी दी है।

घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'मणिपाल हेल्थ का आईपीओ दस्तावेज जनवरी में बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल किया जा सकता है और आमतौर पर नियामक इस निर्गम को मंजूरी देने में 3 से 4 महीने का वक्त लेता है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो मणिपाल हेल्थ का आईपीओ अगले साल के मध्य में आ सकता है।'

हालांकि, इस बारे में मणिपाल हेल्थ को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है।

मूल्यांकन की बात करें तो कंपनी

चल रही तैयारी

- **अगले साल मध्य तक बाजार में दस्तक देने की तैयारी कर रही है कंपनी**
- **भारत के सबसे बड़े हॉस्पिटल नेटवर्क का 12 से 15 अरब डॉलर होगा मूल्यांकन**
- **निर्गम में नए शेयर जारी किए जाएंगे और ओएफएस का छोटा हिस्सा भी रहेगा**

के वित्तीय मानकों और क्षेत्र के मौजूदा गुणकों को देखते हुए बैंकर 13 अरब डॉलर का अनुमान लगा रहे हैं, जबकि प्रवर्तकों ने अभी तक सटीक मूल्यांकन पर कोई फैसला नहीं लिया है।

सूत्र ने कहा, 'यह 12-15 अरब डॉलर के बीच होगा, लेकिन इसका फैसला जारी होने की तारीख के करीब और बाजार की स्थितियों के आधार पर किया जाएगा। हम यह भी चाहते हैं कि खुदरा निवेशक भी कुछ कमाई करें।'

इस निर्गम में मुख्य रूप से नए शेयर जारी किए जाएंगे और एक छोटा हिस्सा मौजूदा निवेशकों द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के रूप में जारी किया जाएगा। हालांकि, इन फैसलों को अभी औपचारिक रूप दिया जाना बाकी है। सूत्र ने कहा, 'आय का उपयोग मुख्य रूप से अस्पताल की वृद्धि और विस्तार के लिए किया जाएगा और ओएफएस का एक छोटा हिस्सा होगा।'

सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु का यह अस्पताल समूह संभावित बिक्री के संबंध में कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी, ऐक्सिस बैंक लिमिटेड और गोल्डमैन सैक्स ग्रुप इंक., जेपी मॉर्गन चेस ऐंड कंपनी और जेफरीज ग्रुप एलएलसी के भारतीय प्रभागों सहित सलाहकारों के साथ सहयोग कर रहा है।

सिंगापुर के सरकारी स्वामित्व वाले निवेशक टेमासेक होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के मजबूत समर्थन से मणिपाल हॉस्पिटल्स अपनी नियोजित लिस्टिंग के बाद भारत में सबसे मूल्यवान स्वास्थ्य सेवा ऑपरेटर बनने के लिए तैयार है। यह प्रत्याशित पेशकश देश भर में स्वास्थ्य सेवा प्लेटफार्मों के लिए बढ़ते निवेशक उत्साह को दर्शाती है।

'हर एक काम देश के नाम'

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स BHARAT ELECTRONICS
QUALITY. TECHNOLOGY. INNOVATION.

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
(रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का उद्यम)
(सी.आई.एन L32309KA1954GOI000787)
पंजीकृत व कार्पोरेट कार्यालय – आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलूरू – 560 045
ईमेल: secretary@bel.co.in वेबसाइट: www.bel-india.in दूरभाष: 080-25039300

नोटिस
कंपनी के इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरण (आईईपीएफ)

एतद्द्वारा **सूचना** दी जाती है कि निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखापरीक्षा, अंतरण और वापसी) नियम, 2016 ("नियम") और कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 124(6) के प्रावधानों के अनुपालन में, कंपनी को ऐसे सभी शेयरों को निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ) को अंतरण करना अनिवार्य है, जिनके संबंध में लगातार सात वर्षों या उससे अधिक समय से लाभांश का भुगतान या दावा नहीं किया गया है।

इस नियम के प्रावधानों के अनुसार, संबंधित शेयरधारकों को कंपनी/रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण (आरटीए) अभिलेखों में उपलब्ध उनके नवीनतम पते पर व्यक्तिगत सूचना दी गई है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ आईईपीएफ को अंतरित किए जाने वाले शेयरों का विवरण दिया गया है और ऐसे शेयरधारकों की सूची भी कंपनी की वेबसाइट http://www.bel-india.in/investors/dividend पर दी गई है।

इस संबंध में संबंधित शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वित्त वर्ष 2018-19 और उसके बाद के वर्षों के लिए **22 फरवरी 2026** को या उससे पहले भुगतान न की गई/अदावी लाभांश राशि का दावा करें अन्यथा ऐसे शेयर आईईपीएफ को अंतरित कर दिए जाएंगे। शेयरधारक यह नोट करें कि ऐसे अंतरण पर, अदावी लाभांश और आईईपीएफ को अंतरित किए गए शेयर दोनों जिसमें ऐसे शेयरों पर प्रोद्भूत सभी लाभ, यदि कोई हों, अधिनियम में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आईईपीएफ प्राधिकरण से वापस लिए जा सकते है।

उपर्युक्त मामले पर किसी भी प्रश्न के लिए, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट, इंटिग्रेटड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेस प्रा.लि. सं. 30, रमणा रेसिडेंसी, चौथा क्रॉस, संपिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु – 560 003 से संपर्क करें। दूरभाष-080-23460815/16/17/18 फैक्स-080 23460819, ई-मेल- irgintegratedindia.in.

कृते भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

बेंगलूरु
04 दिसंबर 2025

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
www.iob.in
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
केंद्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै – 600 002

इण्डियन ओवरसीज बैंक (आइओबी) निम्नलिखित के लिए बोली लगाने हेतु आमंत्रित करता है :
कॉरपोरेट कारोबार के चयन हेतु प्रस्ताव आमंत्रण – वित्तीय समावेशन गतिविधियों हेतु प्रतिनिधि
आरएफपी संदर्भ संख्या: RFP/FID/001/2025-26 दिनांक 02.12.2025
उपयक्त निविदा के लिए दस्तावेज उल्लिखित वेबसाइटों पर www.iob.in एवं https://iobtenders.auctiontiger.net उपलब्ध है, जहाँ से डाउनलोड किया जा सकता है । निविदा का विवरण और भविष्य में किए जाने वाले किसी भी संशोधन के लिए, उक्त वेबसाइट https://iobtenders.auctiontiger.net का संदर्भ लेते रहें ।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
www.iob.in
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
केंद्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै – 600 002

इण्डियन ओवरसीज बैंक (आइओबी) निम्नलिखित के लिए बोली लगाने हेतु आमंत्रित करता है :
सरकारी ई–मार्केट पोर्टल – वर्चुअल डाटा सेंटरों हेतु सैटेलाइट सहित 19 रेडहैट एंटरप्राइज लिनक्स (प्रीमियम) की खरीद – पीएसी के अंतर्गत सरकारी ई–मार्केट पोर्टल संदर्भ संख्या:– जीईएम/2025/बी/ 6952910 दिनांक 01.12.2025
उपर्युक्त निविदा के लिए जीईएम दस्तावेज उल्लिखित वेबसाइटों पर www.iob.in एवं www.gem.gov.in उपलब्ध है, जहाँ से डाउनलोड किया जा सकता है । निविदा का विवरण और भविष्य में किए जाने वाले किसी भी संशोधन के लिए, उक्त वेबसाइट www.gem.gov.in का संदर्भ लेते रहें ।

GSTIN: 08AAAAR0278A6ZS
PAN No. AAAAR0278A
Gram: Catte Feed
Reg. No - RJ. 7947
BRN No. 8004960015000007

पशु आहार संयन्त्र, नदबई (भरतपुर) राजस्थान
Cattle Feed Plant, Nadbai (Bharatpur) Rajasthan
RCDF/CFPNAD/F.( )/2025-26/7732-42 DATE : 02/12/2025

निविदा सूचना
कैटल फीड प्लान्ट नदबई पर निम्नलिखित कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती है –

क्र.सं.	निविदा का नाम	अनुमानित लागत	निविदा का माध्यम	यूबीएम नम्बर
1	पशु आहार परिवहन कार्य।	200 लाख	ऑनलाईन	CDF2526SLRC01281
2	NYLONE THREAD & JUTE SUTALI	5 लाख	ऑफलाईन	CDF2526GSRC01277
3	SUPPLY OF ELECTRICAL ITEMS, ELECTRIC MOTOR, GEAR MOTOR	10 लाख	ऑफलाईन	CDF2526GSRC01278
4	SUPPLY OF GENERAL HARDWARE ITEM	10 लाख	ऑफलाईन	CDF2526GSRC01280
5	SUPPLY OF GREASE AND OIL	5 लाख	ऑफलाईन	CDF2526GSRC01279

NIB - CDF2526A0939 निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचनायें, निविदा प्रपत्र मय शर्तो के विभाग की बेबसाईट www.sarasmilkfed.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/15171 प्रबन्धक, सीएफपी नदबई

बायोकॉन: रणनीतिक बदलाव का होगा आकलन

सोहिनी दास
मुंबई, 4 दिसंबर

बायोकॉन लिमिटेड के निदेशक मंडल की शनिवार, 6 दिसंबर को बैठक होनी है। इसमें दो ऐसे खास प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा, जो कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे और वैश्विक रणनीतिक को पूरी तरह से बदल सकते हैं। इसके मुख्य कार्यक्रम के तहत अपनी बायोसिमिलर शाखा पर नियंत्रण को मजबूत करने और विस्तार के लिए दीर्घकालिक पूंजी हासिल करने पर ध्यान देना है।

बायोकॉन के निदेशक मंडल की बैठक में दो मुख्य प्रस्ताव बड़े रणनीतिक बदलाव को दर्शाते हैं। पहला प्रस्ताव है गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड (बीबीएल) में रणनीतिक निवेश।

बायोकॉन बीबीएल के मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीदने की योजना बना रही है या तो नकदी के जरिये या उन्हें तरजीह आवंटन में बायोकॉन के नए इक्विटी शेयर जारी करके। दूसरा प्रस्ताव रकम जुटाने की योजना से संबंधित है। कंपनी क्यूआईपी (पात्र संस्थागत नियोजन), राइट्स इश्यू या एफपीओ (अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश) जैसे बाजार के विभिन्न तरीकों के जरिये वाणिज्यिक पत्र या इक्विटी प्रतिभूति जारी करके पूंजी जुटाने की मंजूरी चाह रही है। इन दोनों प्रस्तावों के लिए नियामक और शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। बायोकॉन के निदेशक मंडल की इस आगामी बैठक के कार्यक्रम में सबसे अहम प्रस्ताव इसके तेजी से बढ़ते बायोसिमिलर कारोबार बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड (बीबीएल) पर नियंत्रण मजबूत करने का रणनीतिक कदम है।

बायोकॉन के निदेशक मंडल की बैठक में दो मुख्य प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा

मूल कंपनी बीबीएल के शेयरधारकों (जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, टू नॉर्थ और टाटा कैपिटल जैसे अल्पांश निवेशक शामिल हैं) से प्रतिभूतियां खरीदकर गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी में अपने स्वामित्व की हिस्सेदारी में खासा इजाफा करना चाहती है। यह लेनदेन या तो नकद भुगतान करके या फिर शेयरों की अदला-बदली वाले तरीके का इस्तेमाल करके पूरा करने की योजना है, जिसमें बीबीएल के शेयरधारकों को तरजीह आधार पर बायोकॉन के पूरी तरह से भुगतान वाले इक्विटी शेयर मिलेंगे, जिससे मुख्य सहायक कंपनी का स्वामित्व वास्तव में मुख्य सूचीबद्ध कंपनी में वापस मिल जाएगा।

बायोकॉन बायोलॉजिक्स के लगभग 4.5 अरब डॉलर के आंतरिक मूल्यांकन के लिहाज से इस कदम की समीक्षा किया जा रहा है। खरीद के इस विचार को नकद भुगतान और/या तरजीह आवंटन के आधार पर पूरी तरह से भुगतान किए गए बायोकॉन के इक्विटी शेयर जारी करके (शेयरों की अदला-बदली) के जरिये अमली जामा पहनाया जा सकता है।

दूसरा प्रस्ताव कंपनी के लिए पूंजी जुटाने की व्यापक योजना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसके पास भविष्य के लिए जरूरी वित्तीय ताकत है। निदेशक मंडल वाणिज्यिक पत्र या इक्विटी शेयर जैसे साधनों का उपयोग करके धन जुटाने की योजनाओं को मंजूरी दे सकता है। इसमें बाजार के विभिन्न तरीके शामिल हैं जैसे क्यूआईपी, राइट्स इश्यू अथवा एक या अधिक किश्तों में एफपीओके जरिये।

दिल्ली संस्करण : बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा नीतेंद्र कुमार श्रीवास्तव, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210-211, सेक्टर-63 नोएडा-201301 उ.प्र. और पृथ्वीस दास, डी.बी. कॉर्प लिमिटेड 10, जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302015 से मुद्रित एवं नेहरू हाउस, 4, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल, पीआरजीआई रजिस्ट्रेशन नं. DELHIN/2008/27804 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 011-23720202/23762742
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं